आकार IAS

Shaping Your Dreams

लोक प्रशासन

मुख्य परीक्षा

प्रश्नपत्र-02 | भाग- 01 | इकाई- 05

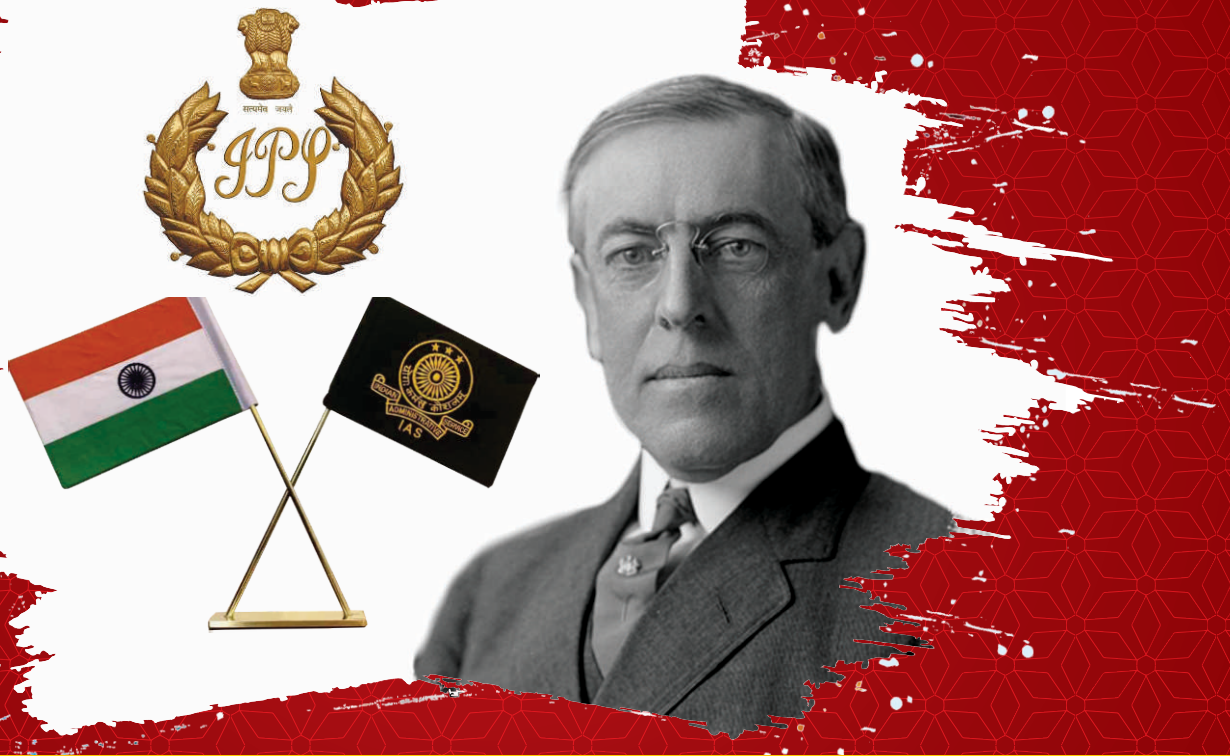

160/4, A B Road, Pipliya Rao, Near Vishnupuri I-Bus Stop, Indore (MP)

aakarias2014@gmail.com www.aakarias.com

9713300123, 6262856797, 6262856798

प्रश्न पत्र -2

लोक प्रशासन
PUBLIC ADMINISTRATION

❒ **भाग-1**

इकाई - 5 : लोक प्रशासन

- **प्रशासन एवं प्रबंधन** - अर्थ, प्रकृति एवं महत्त्व, विकसित एवं विकासशील समाजों में लोक प्रशासन की भूमिका, एक विषय के रूप में लोक प्रशासन का विकास, नवीन लोक प्रशासन, लोक प्रशासन के सिद्धान्त।
- **अवधारणाएँ** - शक्ति, सत्ता, प्राधिकारी, उत्तरादायित्व एवं प्रत्यायोजन (Delegation)।
- संगठन के सिद्धान्त, पदसोपान, नियंत्रण का क्षेत्र एवं आदेश की एकता।
- लोक प्रबंधन के नवीन आयाम, परिवर्तन का प्रबंधन एवं विकास प्रशासन।

❒ **Part-1**

UNIT-V : Public Administration

- **Administration and Management -** Meaning, nature and significance, Role of public administration in the developed and developing societies, Development of Public administration as a subject, Modern Public Administration, Principles of Public Administration.
- **Concepts -** Power, Authority, Responsibility and Delegation.
- Theories of organization, steps and area of control and unity of command.
- New dimensions of public management, management of change and development administration.

परीक्षा योजना

सामान्य अध्ययन के प्रथम दो पत्र के भाग-I की इकाई-V का **पूर्णांक 30** है

इकाई	प्रश्न	संख्या	x	अंक	=	कुल अंक	आदर्श शब्द सीमा
इकाई-1	अति लघु उत्तरीय	03	x	03	=	09	10 शब्द/01 पंक्ति
	लघु उत्तरीय	02	x	05	=	10	50 शब्द/05 से 06 पंक्तियां
	दीर्घ उत्तरीय	01	x	11	=	11	200 शब्द

विषय सूची (CONTENTS)

क्रमांक	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	प्रशासन	01 – 38
2.	निजी प्रशासन	39 – 46
3.	नवीन लोक प्रशासन	47 – 54
4.	लोक प्रशासन के सिद्धान्त	55 – 88
5.	प्रशासनिक अवधारणाएं	89 – 104
6.	संगठन के सिद्धान्त	105 – 119
7.	प्रबंधन	120 – 127
8.	विकास प्रशासन	128 – 144
9.	लोक प्रशासन के महत्वपूर्ण विद्वान	145 – 146

प्रशासन

- अर्थ, लक्षण, विशेषताएं, महत्व
- प्रशासन के अध्ययन हेतु दृष्टिकोण : प्रबंधकीय एवं एकीकृत दृष्टिकोण
- लोक प्रशासन - अर्थ, प्रकृति (प्रबंधकीय या एकीकृत प्रकृति तथा कला या विज्ञान), महत्व, विशेषताएं एवं क्षेत्र
- प्रशासन एवं लोक प्रशासन में अंतर
- विकसित एवं विकासशील समाजों में लोक प्रशासन की भूमिका
  - विकसित समाजों की विशेषताएं
  - विकसित समाजों के लोक प्रशासन की विशेषताएं
  - विकासशील समाजों की समस्याएं
  - विकासशील समाजों में लोक प्रशासन की समस्याएं
  - विकासशील समाजों में लोक प्रशासन की भूमिका
  - रग्स के विचार
- एक विषय के रूप में लोक प्रशासन का विकास
  - प्रथम चरण - राजनीति-प्रशासन विभाजन (1887-1926)
  - द्वितीय चरण - सिद्धान्तों का स्वर्ण-युग (1927-1937)
  - तृतीय चरण - सिद्धान्तों को चुनौतियों का काल (1938-1947)
  - चतुर्थ चरण - स्वरूप की संकटावस्था का काल (1948-1970)
  - पंचम चरण - अंतर्विषयी एवं परिपक्वता का काल (1971-1990)
  - षष्ठम चरण - लोक नीति, लोक विकल्प एवं नवीन लोक प्रबंध का काल (1991- वर्तमान तक)

प्रशासन (Administration)

❐ प्रशासन का अर्थ

मनुष्य द्वारा खानाबदोश या भ्रमणकारी जीवन के स्थान पर समूह में व एक ही स्थान पर रहना प्रारंभ करने के साथ पहली बार प्रशासन की आवश्यकता पड़ी व इसी क्रम में लोक प्रशासन का जन्म हुआ। इस प्रारंभिक काल में लोक प्रशासन का कार्य था आपसी झगड़े सुलझाना, अपराध रोकना, शांति स्थापित करना आदि। प्रारंभ में लोक प्रशासन का आकार छोटा था, किन्तु देश, काल, परिस्थिति के अनुसार इसका आकार बढ़ता गया। राज्य की संकल्पना की उत्पत्ति के साथ ही इसके कार्यों में आमूलचूक परिवर्तन हुए।

आज के लोक कल्याकारी राज्य में लोक प्रशासन अनेक कार्य करता है, जो शासन-प्रशासन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अति आवश्यक माने जाते हैं। राज्य अमूर्त होता है तथा लोक प्रशासन इस राज्य का मूर्तरूप है। लोक प्रशासन आधुनिक समाज का एक आवश्यक अंग और जीवन का एक प्रमुख तत्व है। प्रशासन द्वारा सम्पादित किए जाने वाले कार्यों में निरन्तर वृद्धि होने के कारण आज के राज्य को 'प्रशासकीय राज्य' (Administrative State) कहा जाता है।

वस्तुत: प्रशासकीय राज्य से तात्पर्य उस राज्य से है, जिसमें कार्यपालिका शाखा का प्रभुत्व होता है। यद्यपि इसमें व्यवस्थापिका तथा न्यायपालिका भी स्थापित रहते हैं। वर्तमान में लोक प्रशासन मानव जीवन की असंख्य आवश्यकताओं (शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, स्वच्छता, सामाजिक सुरक्षा आदि) को पूरा करता है। अत: इसकी विषयवस्तु सकारात्मक तो है ही, साथ में सुखी जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। यह सृजनात्मक भी है, क्योंकि इसका उद्देश्य मानव कल्याण है एवं मानव कल्याण का कार्य समाज में शांति और सुव्यवस्था बनाए रखने के उसके मूलभूत कार्यों के अतिरिक्त है।

आधुनिक सभ्यता के ह्रदय के रूप में कार्यरत इस विषय के महत्व को स्पष्ट करते हुए प्रोफेसर डब्ल्यू बी डोनहम का कथन है कि "यदि आधुनिक मानव सभ्यता का पतन हुआ, तो ऐसा मुख्यत: प्रशासन की असफलता के कारण होगा।" भारत जैसे विकासशील देशों के लिए लोक प्रशासन का सर्वाधिक महत्व है, क्योंकि लोक प्रशासन वह साधन है, जिसके द्वारा समाज में परिवर्तन लाए जाते हैं, इसलिए इसे सामाजिक परिवर्तन का यंत्र भी माना जाता है। कोई भी योजना उसके प्रशासकीय पहलुओं को पूर्णत: समझे बिना एवं उसके अनुसार उचित प्रशासकीय तंत्र का प्रबंधन किए बिना सफल नहीं हो सकती। निष्कर्ष रूप में "लोक प्रशासन एक नैतिक कार्य है एवं प्रशासक एक नैतिक अभिकर्ता।"

लोक प्रशासन का अर्थ समझने से पूर्व प्रशासन का अर्थ समझना आवश्यक है, क्योंकि यह प्रशासन का ही एक प्रकार है। प्रशासन शब्द के अन्तर्गत निजी एवं सरकारी गतिविधियों का प्रबंधन सम्मिलित किया जाता है। प्रशासन एक सुनिश्चित उद्देश्य की पूर्ति के लिए मनुष्यों द्वारा आपसी सहयोग से की जाने वाली सामुहिक क्रिया है। प्रशासन एक व्यापक प्रक्रिया है, जो सभी सामुहिक कार्यों के विषय में लागू होता है। चाहे ये विषय सार्वजनिक हों या व्यक्तिगत, नागरिक हों या सैनिक, बड़े हों या छोटे।

किसी उद्देश्य के लिए किए जाने वाले सभी प्रकार के प्रयत्नों की तुलना में प्रशासन केवल आधुनिक युग की विशेषता नहीं है, अपितु सभ्यता के विकास के आरंभ से ही यह दृष्टिगोचर होती है। आदिमकाल में गुहास्वामी के लिए भी यह उतना ही महत्व का विषय था, जितना कि आधुनिक काल के किसी व्यक्ति के लिए है। इस प्रकार प्रशासन सर्वव्यापक रहा है, किन्तु आधुनिक काल के प्रशासन की तीन प्रमुख विशेषताएं हैं -

- इसके उद्देश्य पूर्णरूप से बदल गए हैं।
- इसके कार्यों में जटिलता उत्पन्न हुई है।
- इसके कार्यों में असाधारण वृद्धि हुई है।

प्रशासन मूलरूप में संस्कृत का शब्द है, जो 'प्र' उपसर्ग एवं 'शास्' धातु से बना है, जिसका अर्थ उत्कृष्ट रीति से कार्य करना है। अंग्रेजी भाषा में प्रशासन शब्द को Administration कहा जाता है, जिससे तात्पर्य है – "किसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए किए जाने वाले सामुहिक प्रयास एवं उनका प्रबंधन।" सामान्यतया प्रशासन व प्रबंधन को समान ही समझा जाता है, किन्तु वास्तव में प्रशासन एक वृहद अवधारणा है, जिसका एक भाग प्रबंधन है। प्रशासन शब्द के अन्तर्गत निजी या सरकारी गतिविधियों का प्रबंधन सम्मिलित है।

❒ प्रशासन की परिभाषाएं

- **साइमन, स्मिथबर्ग व थॉम्पसन ने इस संदर्भ में व्यापक दृष्टिकोण रखते हुए प्रशासन की यह परिभाषा दी है कि –** यह समूहों की वह क्रियाएं हैं, जो सामुहिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सहयोग द्वारा की जाती है।
- **लूथर गुलिक का कहना है कि –** प्रशासन का सम्बन्ध निश्चित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु कार्यों को करवाने से है।
- **एल डी व्हाइट कहते हैं कि –** किसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए बहुत से मनुष्यों का निर्देशन, समन्वय तथा नियंत्रण ही प्रशासन की कला है।
- **फिफनर एवं प्रेस्थस के अनुसार –** वांछित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए मानवीय तथा भौतिक संसाधनों के संगठन और संचालन को प्रशासन कहते हैं।

शब्दकोशीय दृष्टि से प्रशासन को अनेक अर्थों में प्रयुक्त किया जाता है जैसे –

1) किसी व्यक्ति का शासनकाल जैसे – वाजपेयी प्रशासन, बाइडेन प्रशासन आदि।
2) प्रबंधन तथा निर्देशन का कार्य।
3) वितरण एवं विभक्तिकरण के रूप में जैसे – न्याय का प्रशासन।
4) किसी प्रशासक की शक्तियां या पद जैसे – कलेक्टर का प्रशासन।
5) सरकारी या संस्थात्मक मामलों का प्रबंधन।
6) सरकार या संस्था के कार्यकारी अधिकारी एवं उनकी नीति।

❖ प्रशासन के लक्षण

- प्रशासन संगठित प्रणाली से कार्य करता है।
- प्रशासन शब्द का प्रयोग प्राय: बड़े, विशाल एवं औपचारिक संगठनों के लिए किया जाता है।
- प्रशासन का संगठन तथा कार्यों का क्रियान्वयन उसी स्थिति में होता है, जबकि सम्बन्धित अधिकारियों के पास ऐसा करने का अधिकार हो।
- प्रशासन के अन्तर्गत निश्चित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रयास किए जाते हैं।
- इन उद्देश्यों की प्राप्ति में अनेक व्यक्ति सहयोग करते हैं।
- प्रशासन करने वाले व्यक्ति के पास अधिकार होते हैं, जिसके कारण वह दूसरों से किसी कार्य में सहयोग लेता है।
- प्रशासन के उद्देश्यों जैसे – सामाजिक न्याय की प्राप्ति, सड़कें, पुल, बांध बनाना, टीकाकरण करना आदि एवं प्रशासन में कार्यरत कार्मिकों के उद्देश्यों, यथा रोजगार प्राप्ति, सुरक्षा प्राप्ति, सम्मान प्राप्ति आदि में अंतर होते हुए भी परस्पर समन्वय होता है।
- इनके उद्देश्यों में भिन्नता होते हुए भी वे परस्पर टकराते नहीं हैं, अपितु परस्पर सहयोगात्मक दृष्टिकोण रखते हुए इन उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सतत् प्रयासरत रहते हैं।

❖ प्रशासन की विशेषताएं

- प्रशासन में विशेष उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्य किया जाता है।
- प्रशासन में संगठित होकर कार्य किए जाते हैं।
- प्रशासन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किए जाने वाले सभी कार्यों को सहयोग की भावना से किया जाता है।
- प्रशासन में कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पास सत्ता होती है।
- प्रशासन का उद्देश्य प्रशासन में कार्य कर रहे व्यक्तियों के उद्देश्य से भिन्न होता है।

❖ प्रशासन के महत्व

वर्तमान आधुनिक लोक कल्याणकारी राज्य में प्रशासन को कल्याणकारी कार्यों को पूरा करने के लिए एक आवश्यक तत्व माना जाता है। प्रशासन की विस्तृत भूमिका एवं क्षेत्र के कारण वर्तमान राज्य को प्रशासकीय राज्य की संज्ञा दी जाती है। मानव समाज में शांति व्यवस्था, कल्याण, विकास तथा सृजनात्मक कार्यों का दायित्व प्रशासन के मज़बूत कंधों पर है। इसी कारण प्रशासन आधुनिक शासन व्यवस्था का केन्द्र बिन्दु माना जाने लगा है। प्रशासन के महत्व को निम्न बिन्दुओं के आधार पर समझा जा सकता है –

- प्रशासन सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तनों को संस्थागत रूप देता है।
- बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक सेवाओं को बनाए रखता है।
- समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा के संदर्भ में प्रशासन का अत्यधिक महत्व है।
- लोकमत के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।
- यह आर्थिक विकास एवं समृद्धि दर बनाए रखने में सहायक है।
- राजनीतिक व्यवस्था का अनुरक्षण करता है।
- समाज में व्यवस्था एवं स्थिरता बनाए रखता है।
- सार्वजनिक नीति एवं राजनीतिक प्रवृत्ति की अनुकूल दशा निर्धारित करने में प्रशासन का अत्यधिक महत्व है।

प्रशासन के अध्ययन हेतु दृष्टिकोण

प्रबंधकीय दृष्टिकोण | **एकीकृत या समन्वित दृष्टिकोण**

❖ प्रबंधकीय दृष्टिकोण

इसके अन्तर्गत प्रशासन का तात्पर्य उन्हीं गतिविधियों से लगाया जाता है, जिसके अन्तर्गत प्रबंधन सम्बन्धी कार्य किए जाते हैं। वास्तव में प्रबंधन से तात्पर्य है, किन्हीं निश्चित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु समस्त प्रकार के संसाधनों, जैसे – मशीन, मनुष्य, धन, तकनीकी आदि को व्यवस्थित, समन्वित व नियंत्रित करने की प्रक्रिया।

❖ एकीकृत या समन्वित दृष्टिकोण

इसके अन्तर्गत प्रशासन का अर्थ उन सभी क्रियाओं से है जिनका संचालन एक निश्चित क्षेत्र की नीतियों तथा कार्यों के क्रियान्वयन से होता है। इस दृष्टिकोण में संगठन के उत्तराधिकारी, तकनीकी कार्मिक, लिपिक वर्ग व श्रमिक सहित सभी सहायक कर्मचारी मिलकर प्रशासन कहलाते हैं।

हेनरी फेयोल के अनुसार प्रशासन किसी न किसी मात्रा में प्रत्येक कार्मिक के कार्यों का एक भाग होता है, चाहे वह कार्मिक साधारण या निम्न पदधारक ही क्यों न हो।

प्रशासनिक संगठन में जिस कार्मिक का पदस्तर ऊँचा होता है वह प्रशासनिक कार्यों के सम्पादन में उतना ही अधिक समय लेता है। प्रशासन एक वृहद अवधारणा है जिसके अन्तर्गत प्रबंधकीय क्रियाओं को भी सम्मिलित किया जाता है। प्रशासन के अन्तर्गत 02 प्रकारों लोक व निजी प्रशासन का अध्ययन सम्मिलित है। अत: प्रशासन, प्रबंधन एवं लोक प्रशासन तीनों ही भिन्न अवधारणाएं हैं, किन्तु सभी अंतर्संबंधित हैं।

❒ लोक प्रशासन

लोक प्रशासन, अर्थात् –अंग्रेजी भाषा में Public Administration जहां Public या लोक का आशय सरकार से है, जैसे –

Public	Sector	Units (PSUs)
↓	↓	↓
सरकारी	क्षेत्र	इकाई/उपक्रम

❖ लोक प्रशासन का अर्थ

Administration शब्द लैटिन भाषा के दो शब्दों से बना है। Ad + Ministrare फ्रैंच में इस शब्द को Administer एवं पुरानी अंग्रेजी में Administren कहा जाता था, जिसका अर्थ है –

1) काम करवाना
2) व्यक्तियों की देखभाल करना (To serve)
3) कार्यों की व्यवस्था करना (To Manage)

इस प्रकार लोक प्रशासन का आशय है वे सभी सरकारी प्रयास या प्रक्रियाएं जो जनता के लिए की जाती हैं। वस्तुत: सरकार, अर्थात् – शासन के कार्यों की पूर्ति करने वाला क्षेत्र ही लोक प्रशासन का क्षेत्र है, अर्थात् – शासन हेतु प्रशासन आवश्यक है। लोक प्रशासन के अर्थ को स्पष्ट करते हुए इस विषय के विद्वानों ने भिन्न-भिन्न परिभाषाएं दी हैं, जो इस प्रकार हैं –

- **एल. डी व्हाइट** – लोक प्रशासन में वे सभी कार्य आ जाते हैं, जिनका उद्देश्य सार्वजनिक नीतियों को पूरा करना या लागू करना होता है।
- **वुडरो विल्सन** – कानून को विस्तृत एवं क्रमबद्ध रूप से क्रियान्वित करने का नाम ही लोक प्रशासन है। कानून को क्रियान्वित करने की प्रत्येक क्रिया प्रशासकीय क्रिया है।
- **हरबर्ट साइमन** – साधारण प्रयोग में लोक प्रशासन का अर्थ राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं स्थानीय सरकारों की कार्यपालिका शाखाओं की क्रिया से है।
- **पिफनर** – सरकार का कार्य करना ही लोक प्रशासन है, चाहे वह स्वास्थ्य प्रयोगशाला में एक्सरे मशीन का संचालन हो या टकसाल में सिक्के ढालना हो। प्रशासन तो निश्चित कार्यों को पूरा करने के क्रम में लोगों के प्रयत्नों में समन्वय करता है।
- **डब्ल्यू एफ विलोबी** – अपने व्यापक अर्थ में लोक प्रशासन उस कार्य का प्रतीक है जो सरकारी कार्यों के वास्तविक निष्पादन से सम्बद्ध होता है, चाहे वे सरकार के किसी भी अंग से सम्बन्धित क्यों ने हो। संकुचित अर्थ में वह केवल कार्यपालिका की कार्यवाही की ओर संकेत करता हैं।
- **लूथर गुलिक** – सामान्यत: लोक प्रशासन, प्रशासन विज्ञान का वह भाग है जो शासन से विशेषकर इसके कार्यपालिका पक्ष से सम्बन्धित है। यद्यपि व्यवस्थापिका व न्यायपालिका भी प्रशासकीय कार्यक्षेत्र में सम्मिलित हो सकती हैं।
- **मार्शल ई. डिमॉक** – लोक प्रशासन का सम्बन्ध सरकार के 'क्या' और 'कैसे' से है। 'क्या' विषयवस्तु तथा तकनीकी ज्ञान का पर्याय है। 'कैसे' प्रबंध की तकनीक, पद्धति का सिद्धान्त है, जो कार्यों का सफल निष्पादन करती है। दोनों ही अनिवार्य हैं तथा दोनों का समन्वय ही प्रशासन कहलाता है।

- **फेलिक्स ए. निग्रो** – लोक प्रशासन, सार्वजनिक व्यवस्था में सहकारी प्रयासों, सरकार के तीनों अंगों के सम्बन्धों, सार्वजनिक नीति के निर्माण में भूमिका, निजी प्रशासन से भिन्नता तथा सामुदायिक सेवाएं देने वाले निजी समूहों से घनिष्ट सम्बद्धता से पहचाना जाने वाला विषय है।
- **पॉल एच. एपलबी** – नीति निर्माण ही लोक प्रशासन का सार है।
- **ए. वाकर** – कानून के प्रवर्तन से सम्बन्धित जो कार्य सरकार करती है, वह लोक प्रशासन है।

इस प्रकार लोक प्रशासन के विद्वानों द्वारा दी गई परिभाषाओं एवं उनके दृष्टिकोणों यथा संकीर्ण, व्यापक या एकीकृत, प्रबंधकीय आदि का सार स्वरूप निष्कर्ष निकाला जाए तो स्पष्ट होता है कि लोक प्रशासन –

1) बहुत से व्यक्तियों तथा कार्यों को नियंत्रित, निर्देशित व समन्वित करता है, ताकि व्यापक सार्वजनिक हितों की रक्षा की जा सके।
2) क्षेत्र व प्रकृति की दृष्टि से व्यापक, सामान्यीकृत तथा एकीकृत दृष्टिकोण का पर्याय है।
3) सरकार के दायित्वों तथा गतिविधियों के संचालन से सम्बद्ध एक व्यवस्था है।
4) मानव कल्याण के लिए राज्य के दायित्वों की पूर्ति के क्रम में सामुहिक किन्तु व्यवस्थित मानवीय प्रयास है।
5) काल, स्थान तथा परिस्थितियों के अनुरूप परिवर्तित होने वाले राज्य के स्वरूपानुसार परिवर्तित एवं परिवर्धित होने वाली क्रिया है।

विभिन्न परिभाषाओं का विश्लेषण यह भी बताता है कि लोक प्रशासन शब्द 02 अर्थों में प्रयोग किया जाता है –

1) **विस्तृत** – लोक प्रशासन का सम्बन्ध सरकार की तीनों शाखाओं से है।
   समर्थक – वुडरो विल्सन, एल. डी व्हाइट, मार्शल डिमॉक, एफ ए. निग्रो, पिफनर।
2) **संकीर्ण** – केवल कार्यकारी शाखा की गतिविधियों से सम्बन्धित।
   समर्थक – साइमन, स्मिथबर्ग, थॉम्प्सन, लूथर गुलिक, ऑर्डवे टीड, हेनरी फेयोल, विलेबी।

❐ लोक प्रशासन की प्रकृति

स्थूल अर्थ में किसी विषय की प्रकृति से तात्पर्य है, उसकी प्रमुख विशेषताएं, लक्षण, विषयगत स्वभाव सहित अवधारणात्मक व्याख्या, जो उस विषय का सहज स्वरूप स्पष्ट कर सके। लोक प्रशासन दो स्वरूपों में हमारे समक्ष उपस्थिति दर्ज कराता है –

1) प्रबंधकीय या एकीकृत स्वरूप में
2) विज्ञान या कला के स्वरूप में
3) अंतर्विषयी प्रकृति

लोक प्रशासन सामाजिक विज्ञानों में एक विषय है, जिसमें प्रशासनिक तंत्र के सिद्धान्तों तथा नियमों का अध्ययन, अध्यापन व अनुसंधान कार्य होता है। सरकार द्वारा सम्पादित होने वाली प्रशासनिक क्रियाओं के रूप में भी लोक प्रशासन अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है।

लोक प्रशासन एक शैक्षाणिक एवं सिद्धान्तिक विषय भी है तथा व्यवहारिक स्वरूप में दिखाई पड़ने वाली क्रिया भी। इसी कारण लोक प्रशासन का सर्वमान्य अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र का निर्धारण नहीं हो पाया है, किन्तु इसकी सिद्धान्तिक एवं व्यवहारिक रूप में अत्यधिक महत्ता के कारण विद्वानों ने इसकी प्रकृति को स्पष्ट करने के क्रम में 02 मान्यताएं दी हैं –

1) प्रबंधकीय या एकीकृत
2) विज्ञान या कला